।। श्री श्याम प्रभु की ज्योत ।।

जलती रहे खाटू वाले, ज्योत तेरी जलती रहे,
किसने बाबा तेरा भवन बनाया-२,
किसने चॅवर डुलाया, ज्योत तेरी …….. ।।

भक्तों ने बाबा तेरा भवन बनाया-२,
सेवक चॅवर डुलाया, ज्योत तेरी …….. ।।

केशर चोलो बाबा अंग बिराजे-२,
चन्दन तिलक लगाया, ज्योत तेरी …….. ।।

ध्वजा नारियल सवा रुपइयो-२,
तेरे भेंट चढ़ाया, ज्योत तेरी …….. ।।

माखन मिश्री का थाल सजाया-२,
तेरे भोग लगाया, ज्योत तेरी …….. ।।

दूर दूर से यात्री आवे-२,
आकर शीश नवाये, ज्योत तेरी …….. ।।

काशीरामजी ने ध्यान लगाया-२,
अपने पास बुलाया, ज्योत तेरी …….. ।।

प्रचार मण्डल' बाबा दर तेरे आया-२,
आकर शीश नवाया, ज्योत तेरी …….. ।।

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com